प्रकाशन का गौरवाशाली 14वाँ वर्ष

दिव्य हिमगिरि

हिमालयी राज्यों की पहली साप्ताहिक पत्रिका

नज़र सब पर

वर्ष 14 | अंक 39 | मूल्य 15 रुपये | 16-22 फरवरी, 2025

इस बार डोनाल्ड ट्रंप का संदेश, पीएम मोदी से दोस्ती के साथ 'भारत पर शर्तें भी लागू'

गलत परिसीमन नीति के चलते त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में पर्वतीय ग्रामीण क्षेत्रों की सीटें हो रही हैं कम- यशपाल आर्य

राष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन में सीएम धामी का 'कुशल मैनेजमेंट'

वर्ष 14 | अंक 39

दिव्य हिमगिरि

16-22 फरवरी, 2025

संपादक
कुँवर राज अस्थाना

वरिष्ठ संवाददाता
शंभूनाथ गौतम

ब्यूरो प्रमुख
मोनिका डबराल

विज्ञापन
पूनम आर्या

ग्राफिक डिजायनर
देव भट्ट

संवाददाता
हरिद्वार : डॉ. रजनीश गौतम
पौडी : रत्नमणि भट्ट
कोटद्वार : के.पी. बौंठियाल
रूद्रपुर : हेमचन्द्र बुडलाकोटी
चमोली : मुकेश रावत
रुड़की : श्रीगोपाल नारसन
नैनीताल : शीतल तिवारी
अल्मोड़ा : संजय कुमार अग्रवाल (एड.)
विकासनगर : अजय शर्मा
प्रसार : रमेश सिंह रावत

संपादकीय कार्यालय : 6, म्युनिसिपल रोड, बाला हिसार स्कूल के सामने, डालनवाला देहरादून (उत्तराखंड)
मोबाइल : +91 8433456398, 9410353164
Email: divyahimgiriddn@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक कुँवर बहादुर अस्थाना द्वारा सरस्वती प्रेस, 2, ग्रीन पार्क, निरंजनपुर, देहरादून से मुद्रित तथा 39/7 ई, ई. सी. रोड, (निकट मार्शल स्कूल सीनियर विंग) देहरादून-248001 उत्तराखण्ड से प्रकाशित।
संपादक: कुँवर बहादुर अस्थाना*

*(पीआरबी एक्ट के तहत प्रकाशित सामग्री के लिए उत्तरदायी)

शांति की आशा

लंबे समय से जातीय हिंसा के दौर से गुजर रहे मणिपुर में अंततः राष्ट्रपति शासन लगा दिया गया। शायद केंद्र के पास कोई विकल्प नहीं बचा था। पिछले डेढ़ वर्ष से भी अधिक समय से मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को हटाने की मांग की जा रही थी, लेकिन उन पर दबाव तब बना, जब राजग की सहयोगी पार्टी एनपीपी ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया। इसके बाद मुख्यमंत्री पर नैतिक दबाव बना, तो उन्होंने इस्तीफा दे दिया। मगर यह दुखद है कि तब तक मणिपुर के राजनीतिक और सामाजिक ताने-बाने को गहरी क्षति पहुंच चुकी थी। इस्तीफे के बाद बीरेन सिंह के कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहने से भी कई विधायक नाराज थे। वहीं नए मुख्यमंत्री के चयन के लिए सहमति न बनने पर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने के अलावा केंद्र के पास कोई रास्ता नहीं बचा था। मगर यह अनुभव रहा है कि राष्ट्रपति शासन लगाने से किसी भी राज्य में लोकतांत्रिक व्यवस्था कायम नहीं हो सकी है। इसलिए जितनी जल्दी हो सके केंद्र को मणिपुर में पारदर्शी और निष्पक्ष सरकार का गठन करना चाहिए। वैसे भी राज्य में विधानसभा का कार्यकाल पर्याप्त बचा है। वह अभी भंग नहीं की गई है। पिछले ग्यारह साल में यह पहली बार है जब केंद्र की राजग सरकार ने भाजपा शासित पूर्ण बहुमत वाले राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू किया है। मणिपुर में अभी विधानसभा फिलहाल निलंबित है। यानी अब राज्यपाल वहां सभी प्रशासनिक कामकाज संभालेंगे। कोई दो मत नहीं कि इससे राज्य में लोकतांत्रिक प्रक्रिया बाधित होगी। सवाल है कि मणिपुर की मौजूदा स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है? बीरेन सिंह पर इससे पहले पक्षपात के कई आरोप कुकी संगठनों ने लगाए थे। मगर उनकी एक न सुनी गई। ऐसा कहा जा रहा कि इन संगठनों ने शांति वार्ता के लिए मुख्यमंत्री को हटाने की शर्त रखी थी। इस बीच भाजपा के विधायक भी उनसे नाराज हो गए थे। ऐसा प्रतीत होता है कि केंद्र ने राष्ट्रपति शासन लगा कर इसी असंतोष को थामने की कोशिश की है। वहीं बीरेन सिंह के हटने से राज्य में शांति बहाली के लिए वार्ता की उम्मीद बढ़ गई हैं। लेकिन प्रदेश की मैतेई और कुकी आबादी के बीच संदेह और अविश्वास की खाई जितनी चौड़ी हो गई है, उसे देखते हुए तत्काल सुलह-समझौते का कोई फॉमूला निकलने की संभावना नहीं दिखती। जहां कुकी समुदाय की ओर से अपने लिए अलग प्रदेश की मांग उठी है, वहीं मैतेई समुदाय राज्य के किसी भी विभाजन के सख्त खिलाफ है। बीच की कोई राह कैसे और कब तक निकलती है, यह एक अलग मसला है, मगर फिलहाल चुनौती तब तक शांति-व्यवस्था बनाए रखने की है। कुकी और मैतेई दोनों तरफ के गिरोहों ने सुरक्षा बलों के हथियार लूटे हैं। जब तक ये हथियार वापस नहीं लिए जाते, तब तक शांति की संभावना भी दूर की कौड़ी रहेगी। लेकिन पुलिस और सुरक्षा बलों पर पक्षपात के आरोप दोनों ही तरफ के लोग लगाते रहे हैं। जाहिर है, लूटे गए हथियारों की जब्ती तो होनी ही चाहिए, इसके साथ-साथ पुलिस और सरक्षा बलों की विश्वसनीयता बढ़ाने पर भी काम करना होगा।

कुँवर राज अस्थाना

राष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन में सीएम धामी का 'कुशल मैनेजमेंट'

शंभू नाथ गौतम
वरिष्ठ पत्रकार

उत्तराखंड में पहली बार आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों का हल्द्वानी में 14 फरवरी को यादगार समापन हुआ। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में राष्ट्रीय खेलों का सफल आयोजन करा कर साबित कर दिया है कि वह राजनीति के साथ खेल के मैदान में भी ''माहिर'' हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव समेत कई कार्यक्रमों की व्यस्तता के बावजूद मुख्यमंत्री धामी हर दिन नेशनल गेम्स की व्यवस्थाएं और खिलाड़ियों को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो, मॉनिटरिंग करते रहे। राष्ट्रीय खेलों के आयोजन स्थल देहरादून, हरिद्वार, हल्द्वानी समेत कई जगहों पर मुख्यमंत्री खुद ग्राउंड पर पहुंचे और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। इसके साथ उन्होंने खिलाड़ियों को किसी चीज की कमी न हो, इसका भी बारीकी से ध्यान रखा। सीएम धामी ने राष्ट्रीय खेलों की ओपनिंग सेरिमनी और क्लोजिंग सेरेमनी को भव्य और शानदार बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। समापन समारोह में पहुंचे गृहमंत्री अमित शाह ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी और अच्छे प्रबंधन के लिए सीएम धामी की सराहना की। दूसरे प्रदेशों से आए हजारों खिलाड़ी, कोच और आयोजक सुनहरी यादें लेकर विदा हुए। 18 दिन रहने के बाद उत्तराखंड से जाने पर सभी के चेहरों पर मायूसी थी, लेकिन इस उम्मीद के साथ कि अगले साल 2026 में मेघालय में होने वाले 39वें राष्ट्रीय खेलों के आयोजन में फिर मिलेंगे।

उत्तराखंड में कुमाऊं के प्रवेश द्वार हल्द्वानी में 14 फरवरी की शाम इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गई। उत्तराखंड में पहली बार आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों का हल्द्वानी में यादगार समापन हुआ। हल्द्वानी के लाखों लोगों ने खेल का इतना बड़ा भव्य आयोजन पहली बार देखा। क्लोजिंग सेरेमनी में पूरा हल्द्वानी खेलमय दिखाई दिया। स्टेडियम में बैठे हजारों की संख्या में स्थानीय लोग और युवाओं के चेहरे बता रहे थे यह यादगार समापन समारोह कभी खत्म न हो, यूं ही चलता रहे। शहरवासियों ने उत्तराखंड के साथ अन्य प्रदेशों से आए खिलाड़ियों का तालियां बजाकर खूब गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। दूसरे प्रदेशों से आए हजारों

खिलाड़ी, कोच और आयोजक सुनहरी यादें लेकर विदा हुए। 18 दिन रहने के बाद उत्तराखंड से जाने पर सभी के चेहरों पर मायूसी थी, लेकिन इस उम्मीद के साथ कि अगले साल 2026 में मेघालय में होने वाले 39वें राष्ट्रीय खेलों के आयोजन में फिर मिलेंगे। उत्तराखंड में हुए राष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ियों की ओर से नए राष्ट्रीय रिकार्ड बनाए हैं। इन रिकार्ड से अंतरराष्ट्रीय खेलों में आगे भी भारत के लिए पदक की उम्मीद जगी है। राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड को पहली बार मेजबानी करने का मौका मिला। सरकार व खिलाड़ियों ने अपने-अपने स्तर से तैयारियां शुरू कर दी थी। धामी सरकार ने इंफ्रास्ट्रक्चर व खेल मैदानों को सुधारा और प्रदेश के अलग-अलग जिलों में 38वें राष्ट्रीय खेल कराकर यह साबित कर दिया कि उत्तराखंड राज्य अब खेल के बड़े से बड़े इवेंट कराने के लिए भी तैयार है। वहीं दूसरी ओर धामी सरकार ने राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की आवभगत में कोई कमी नहीं की। राज्य गठन के बाद उत्तराखंड में पहला ऐसा मौका था जब खेलों के महाकुंभ का आयोजन किया गया। देश में मझे हुए नेता के रूप में उभरे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में 38वें राष्ट्रीय खेलों का सफल आयोजन करा कर साबित कर दिया है कि वह राजनीति के साथ खेल के मैदान में भी 'माहिर' हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव समेत कई कार्यक्रमों की व्यस्तता के बावजूद भी मुख्यमंत्री धामी हर दिन नेशनल गेम्स की व्यवस्थाएं और खिलाड़ियों को किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो, मॉनिटरिंग करते रहे। राष्ट्रीय खेलों के आयोजन स्थल देहरादून, हरिद्वार, हल्द्वानी समेत कई जगहों पर मुख्यमंत्री खुद ग्राउंड पर पहुंचे और खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। इसके साथ उन्होंने खिलाड़ियों को किसी चीज की कमी न हो, इसका भी बारीकी से ध्यान रखा। कम संसाधनों के बाद भी सीएम धामी के कुशल मैनेजमेंट की बदौलत ही उत्तराखंड में आयोजित राष्ट्रीय खेलों की पूरे देश भर में खूब प्रशंसा हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह समेत तमाम खेल से जुड़े आयोजकों ने सीएम धामी को खेलों के सफल आयोजन करने को लेकर सराहना की। मुख्यमंत्री पद की कमान संभालने के बाद पुष्कर की धामी ने राज्य में खेलों को बढ़ावा देने के लिए 'खेल नीति' भी बनाई हुई है। सीएम धामी के इस फैसले के बाद राज्य के युवाओं में

खेल के प्रति नई अलख जगी है। इस मौके पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हमारे राज्य की दृष्टि से 38वें राष्ट्रीय खेलों का आयोजन बहुत महत्वपूर्ण है। लोगों में बहुत खुशी है। पूरे प्रदेश में खेलों का एक नया वातावरण बना है। वहीं उत्तराखंड ने देश भर के एथलीटों, अधिकारियों और दर्शकों का गर्मजोशी से स्वागत करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। अपने लुभावने परिदृश्य और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाने वाला यह राज्य विश्व स्तरीय खेल सुविधाओं को अपनी विशिष्ट गर्मजोशी के साथ जोड़ता है, जिससे सभी प्रतिभागियों के लिए एक सहज और यादगार अनुभव हमेशा बना रहेगा।

उत्तराखंड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 103 मेडल जीतकर सातवां स्थान प्राप्त किया

उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों के आयोजन में देश भर के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उत्तराखंड के खिलाड़ियों के लिए भी यह राष्ट्रीय खेल मील का पत्थर साबित हुआ। इस बार राष्ट्रीय खेलों की अंक तालिका में उत्तराखंड ने सातवां स्थान हासिल किया। उत्तराखंड ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए 103 मेडल अपने नाम किए हैं। 103 मेडल में 24 गोल्ड, 35 सिल्वर और 44 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। वहीं, पदक सूची की बात करें, तो उत्तराखंड पदक सूची में 37वें राष्ट्रीय खेलों में 25वें स्थान से 7वें स्थान पर पहुंच गया। बड़ी उपलब्धि ये है कि उत्तराखंड ने गत वर्ष की टॉप पांच में रहने वाले केरल, मणिपुर, दिल्ली, गोवा जैसे बड़े राज्यों को पछाड़ दिया। इस आयोजन से देवभूमि के युवाओं में भी खेल के प्रति नई ऊर्जा का संचार हुआ है। उत्तराखंड को खेलों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कुछ समय जरूर लग सकता है, लेकिन डोर अगर सही हाथों में रही, तो पतंग को ऊंची उड़ान भरने से कोई नहीं रोक सकता। वहीं सरकार खेल में ख्याति प्राप्त खिलाड़ियों को अनेक पुरस्कारों से सम्मानित करती है, अर्जुन एवं द्रोणाचार्य जैसे पुरस्कार इसी श्रेणी के खेल रत्न पुरस्कार है जो भारत में खेलों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हेतु सरकार द्वारा खिलाड़ियों और गुरुओं को प्रदान किए जाते हैं। आज सरकारी व निजी क्षेत्रों में खिलाड़ियों के लिए नौकरियां पाने के कई अवसर है। रेलवे, एअर इंडिया, भारत पेट्रोलियम, ओएनजीसी, आईओसी- जैसी सरकारी संस्थाओं के साथ-साथ टाटा अकादमी, जिंदल ग्रुप जैसे निजी समूह भी खेलों व खिलाड़ियों के विकास व प्रोत्साहन के लिए प्रतिबद्ध है। खेल महज मनोरंजन का साधन नहीं रहा है बल्कि बेहतरीन करियर निर्माण का एक शानदार विकल्प भी है। किसी राष्ट्र की प्रतिष्ठा खेलों में उसकी उत्कृष्टता से बहुत कुछ जुड़ी होती है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों में अच्छा प्रदर्शन केवल पदक जीतने तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह किसी राष्ट्र के स्वास्थ्य, मानसिक अवस्था एवं लक्ष्य के प्रति सजगता को भी सूचित करता है।

राष्ट्रीय खेलों के सफल आयोजन को लेकर पीएम मोदी और अमित शाह ने सीएम धामी की सराहना की

राष्ट्रीय खेलों की ओपनिंग सेरिमनी 28 जनवरी को राजधानी देहरादून के अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में हुई थी। इस आयोजन में

राष्ट्रीय खेलों का आकर्षण 'मौली' पहुंचा सीएम पुष्कर सिंह धामी से मिलने

38वें राष्ट्रीय खेल में लोगों के आकर्षण का मुख्य केन्द्र रहा शुभंकर 'मौली' राष्ट्रीय खेलों के समापन के बाद सीएम आवास पहुंचा। मुख्यमंत्री ने सीएम आवास में मौली का स्वागत किया। राष्ट्रीय खेलों का शुभंकर प्रतीक 'मौली' (मोनाल पक्षी) देशभर में चर्चा का केन्द्र रहा है। उत्तराखण्ड में आयोजित राष्ट्रीय खेलों का शुभंकर मौली राज्य के हर जनपद में भव्य स्वागत हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय खेल के दौरान मौली की सक्रियता ने सबका दिल जीतने का कार्य किया। उत्तराखण्ड का राज्य पक्षी मोनाल की विशिष्टता से देशभर के लोग परिचित हुए।

38वें राष्ट्रीय खेल ने उत्तराखण्ड को देवभूमि और वीरभूमि के साथ ही खेल भूमि के रूप में नई पहचान दिलाई है। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य में खेल इन्फ्रास्टक्चर का तेजी से विकास और नई खेल नीति के परिणाम स्वरूप राज्य के खिलाड़ियों द्वारा 38वें राष्ट्रीय खेलों में शानदार प्रदर्शन कर 103 पदक हासिल कर देशभर में शीर्ष सात राज्यों की श्रेणी में स्थान प्राप्त किया है। 37वें राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखण्ड 25वें स्थान पर था। उत्तराखण्ड में हुए 38वें राष्ट्रीय खेल ग्रीन गेम्स, ई-वेस्ट से बनाये गये मेडल और पदक विजेता खिलाड़ियों के नाम से पौध रोपण के लिए भी याद किया जायेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य अतिथि थे। खेलों की ओपनिंग सेरेमनी के दौरान पीएम मोदी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की खूब सराहना की थी। नेशनल गेम्स की क्लोजिंग सेरेमनी को भव्य बनाने के लिए धामी सरकार ने विशेष तैयारी की। राष्ट्रीय खेलों का समापन समारोह हल्द्वानी के गौलापार स्थित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित हुआ। जिसमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इसके साथ ही केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया, मेघालय के मुख्यमंत्री कोंगकल संगमा और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी समेत कई दिग्गज मौजूद रहे। समापन समारोह में हल्द्वानी का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम खचाखच भीड़ से भरा रहा। जिसमें हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे। समापन समारोह को यादगार बनाने के लिए भव्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में सुखविंदर, कुमाऊंनी अभिनेत्री श्वेता महारा और दिगारी ग्रुप ने अपनी प्रस्तुतियां दी। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने उत्तराखंड में हुए 38वें नेशनल गेम्स की समापन की घोषणा की। जिसके बाद राष्ट्रीय खेलों का ध्वज उतारकर 39वें राष्ट्रीय खेल के लिए मेघायल के सीएम को सौंपा गया। समापन समारोह के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया। 38वें राष्ट्रीय खेलों में नंबर वन पर स्पोर्ट्स सर्विस कंट्रोल बोर्ड रहा, जबकि दूसरे नंबर पर महाराष्ट्र और सेकंड रनरअप हरियाणा रहा। क्लोजिंग सेरेमनी के दौरान गृहमंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय खेलों के आयोजन पर उत्तराखंड सरकार की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने खेलों के लिए प्रदेश में एक बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर दिया है। जिससे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। इस दौरान अमित शाह ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को देवभूमि के साथ खेल भूमि बनाने पर बधाई दी। शाह ने कहा कि अब यह देवभूमि खेल भूमि के नाम से भी जानी जाएगी। राष्ट्रीय खेलों में उत्तराखंड ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा उत्तराखंड नेशनल गेम्स में 25वे नंबर से सातवें नंबर पर पहुंचा है। इस दौरान अमित शाह ने सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। वहीं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कि यह उत्तराखंड के लिए गर्व की बात है, कि हमें देवभूमि में राष्ट्रीय खेलों के आयोजन का मौका मिला। जिसका राज्य सरकार ने सफल और भव्य आयोजन कराया है। इसके लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्र सरकार का आभार जताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस राष्ट्रीय खेल में देहरादून, हरिद्वार, रुद्रपुर, हल्द्वानी और ऋषिकेश जैसे मैदानी शहरों के साथ ही अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और टिहरी जैसे सुदूर पहाड़ी स्थानों में भी खेल स्पर्धाएं आयोजित की गई। चकरपुर जैसे एक छोटे से कस्बे में भी राष्ट्रीय खेलों की प्रमुख स्पर्धा का आयोजन हुआ। राष्ट्रीय खेल में जितने भी वाटर स्पोर्ट्स के इवेंट्स हुए, सभी को उत्तराखंड की हाई अल्टिटयूड पर स्थित झीलों एवं नदियों में आयोजित किया गया। इन खेलों के आयोजन के लिए अस्थाई निर्माण की बजाय प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर स्थाई स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने का प्रयास किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 38वें राष्ट्रीय खेलों को सफलतापूर्वक आयोजन के साथ उत्तराखंड ने इन खेलों में 24 स्वर्ण पदकों के साथ रिकॉर्ड 103 पदक अर्जित किए। इन परिणामों से हमारे युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि "अतिथि देवो भव:" की प्राचीन परंपरा के अनुसार खेलों के आयोजन के दौरान प्रयास किया गया कि विभिन्न राज्यों से पधारे खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को किसी भी प्रकार की कोई समस्या न हो।

उल्लेखनीय है कि 38वें राष्ट्रीय खेलों में 35 खेल स्पर्धाएं शामिल थीं, जिनमें से दो को छोड़कर बाकी सभी टेली-स्पोर्ट्स थीं। बहु-खेल स्पर्धा के लिए मुख्य आयोजन स्थल देहरादून था, जबकि हल्द्वानी, हरिद्वार और रुद्रपुर जैसे शहरों में भी कई प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। इस आयोजन का एक अनूठा पहलू खटीमा, टनकपुर, अल्मोड़ा और टिहरी जैसे दूरदराज के पहाड़ी इलाकों में खेल गतिविधियों को शामिल करना था।

इस बार डोनाल्ड ट्रंप का संदेश, पीएम मोदी से दोस्ती के साथ 'भारत पर शर्तें भी लागू'

अमेरिकी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जबरदस्त खातिरदारी की। मुलाकात के दौरान मोदी-ट्रंप के चेहरों पर मुस्कान तो दिखाई दी लेकिन दोनों नेता अपने-अपने देशों को आगे बढ़ाने के बारे में भी सोचते दिखाई दिए। ट्रंप इस बार पीएम मोदी से दोस्ती और व्यापार भी साथ लेकर चलना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उच्च स्तरीय द्विपक्षीय वार्ता की, जिसमें व्यापार, रक्षा, सुरक्षा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। दूसरे कार्यकाल में ट्रंप पूरी तरह प्रोफेशनल (व्यावसायिक) के रूप में दिखाई दे रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति का भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के लिए सीधा संदेश है- ''एक हाथ से ले दूसरे हाथ से दे। प्रधानमंत्री मोदी का अमेरिकी राष्ट्रपति ने गर्मजोशी से स्वागत तो किया लेकिन टैरिफ, व्यापार, और अमेरिका में अवैध प्रवासी भारतीयों को लेकर सख्त रवैया भी दिखाई दिया। इसके साथ ट्रंप ने भारत के साथ कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। जिसमें अमेरिका का भी फायदा होने वाला है। सरल शब्दों में कहें तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत के प्रति उदारवादी रवैया रखना तो चाहते हैं लेकिन ''शता'' पर। प्रधानमंत्री मोदी भी मित्र ट्रंप से खुलकर मिले लेकिन भारत के हितों का भी पूरा ध्यान रखा।

अमेरिका में रह रहे अवैध प्रवासी भारतीयों को पिछले दिनों हाथों में हथकड़ी और पैरों में जंजीर डालकर भारत भेजा गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति के इस रवैये के बाद पूरे देश को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डोनाल्ड ट्रंप की मुलाकात का इंतजार था। दोनों नेताओं की मुलाकात को लेकर देशवासियों के जेहन में कई सवाल उठ रहे थे। भारतवासियों के मन में प्रवासी भारतीय को लेकर पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष जोरदार तरीके से मुद्दा उठाएंगे। लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ, दोनों नेताओं ने राष्ट्रीय हित का पूरा ध्यान रखा। अमेरिकी यात्रा के दौरान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जबरदस्त खातिरदारी की। ट्रंप इस बार पीएम मोदी से दोस्ती और व्यापार भी साथ लेकर चलना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ उच्च स्तरीय द्विपक्षीय वार्ता की, जिसमें व्यापार, रक्षा, सुरक्षा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी सहित कई अहम मुद्दों पर चर्चा की। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पहले राष्ट्रपति कार्यकाल (2016 से 2020) तक भारत के प्रति काफी नरम रवैया अपनाया। ट्रंप-मोदी की दोस्ती दुनिया भर में चर्चा में रही। लेकिन दूसरे कार्यकाल में ट्रंप पूरी तरह प्रोफेशनल (व्यावसायिक) के रूप में दिखाई दे रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति का भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के लिए सीधा संदेश है- ''एक हाथ से ले दूसरे हाथ से दे''। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अमेरिकी राष्ट्रपति ने गर्मजोशी से स्वागत तो किया लेकिन टैरिफ, व्यापार, और अमेरिका में अवैध प्रवासी भारतीयों को लेकर सख्त रवैया भी दिखाई दिया। इसके साथ ट्रंप ने भारत के साथ कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। जिसमें

अमेरिका का भी फायदा होने वाला है। सरल शब्दों में कहें तो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप भारत के प्रति उदारवादी रवैया रखना तो चाहते हैं लेकिन ''शर्तों'' पर। वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अपने मित्र डोनाल्ड ट्रंप से खुलकर मिले लेकिन भारत के हितों का भी पूरा ध्यान रखा। मुलाकात के दौरान मोदी, ट्रंप के चेहरों पर मुस्कान तो दिखाई दी लेकिन दोनों नेता अपने-अपने देशों को आगे बढ़ाने के बारे में भी सोचते दिखाई दिए। कुल मिलाकर देखें तो प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की मुलाकात सौहार्द्रपूर्ण रही। पीएम मोदी शुक्रवार देर रात 3 बजे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड से मिलने व्हाइट हाउस पहुंचे। दोनों नेता करीब ढाई घंटे तक साथ रहे। इस दौरान दोनों के बीच द्विपक्षीय बातचीत हुई। ट्रंप-मोदी ने दो बार मीडिया से बात की। दोनों नेताओं ने अवैध अप्रवासी और टैरिफ के मुद्दे पर बात की। पीएम मोदी ने कहा कि जो लोग अवैध रूप से दूसरे देशों में रहते हैं, उन्हें वहां रहने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। हमने हमेशा कहा है कि जो लोग भारत के नागरिक हैं और अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे हैं, उन्हें वापस लाने के लिए तैयार हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में दोनों नेताओं के बीच यह पहली मुलाकात है। विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्र भी व्हाइट हाउस में मौजूद रहे। व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री मोदी का हमारे साथ होना बहुत सम्मान की बात है। वे लंबे समय से मेरे अच्छे मित्र हैं। हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध रहे हैं और हमने अपने चार साल के कार्यकाल के दौरान इस संबंध को बनाए रखा। आगे कहा कि हमने अभी फिर से शुरुआत की है। मुझे लगता है कि हमारे पास बात करने के लिए कुछ बहुत बड़ी चीजें हैं। नंबर 1-यह है कि वे हमारे बहुत सारे तेल और गैस खरीदने जा रहे हैं। हमारे पास दुनिया के किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक तेल और गैस है। उन्हें इसकी आवश्यकता है, और हमारे पास यह है। हम व्यापार के बारे में बात करने जा रहे हैं। हम कई चीजों के बारे में बात करने जा रहे हैं। लेकिन आपसे मिलना वास्तव में सम्मान की बात है, आप लंबे समय से मेरे मित्र हैं। शानदार काम करने के लिए बधाई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि किसी भी चीज से अधिक, हम (पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप) में महान एकता है, हमारे बीच महान मित्रता है - वह और मैं और हमारे देश। मुझे लगता है कि यह केवल करीब आने वाला है। लेकिन यह बहुत महत्वपूर्ण है कि हम देशों के रूप में एकजुट रहें। हम दोस्त हैं और हम इसी तरह बने रहेंगे। पीएम मोदी ने कहा कि आपको व्हाइट हाउस में वापस देखकर मुझे खुशी हो रही है, मैं भारत के 140 करोड़ लोगों की ओर से आपको बधाई देता हूं। भारत के लोगों ने मुझे तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में काम करने का मौका दिया। इस कार्यकाल में, मुझे अगले 4 वर्षों के लिए एक बार फिर राष्ट्रपति ट्रंप के साथ काम करने का अवसर मिला है, और यह बहुत खुशी की बात है। मैं आपके पहले कार्यकाल में आपके साथ काम करने के अपने पिछले अनुभव से कह सकता हूं, हम उसी बंधन, समान विश्वास और समान उत्साह के साथ भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाना जारी रखेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं इस बात की सराहना करता हूं कि वह (राष्ट्रपति ट्रंप) हमेशा राष्ट्रीय हित (अमेरिका के) को सर्वोच्च रखते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप की तरह, मुझे भी भारत के हितों को सर्वोच्च रखते हुए काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ व्हाइट हाउस में द्विपक्षीय बैठक के बाद संयुक्त प्रेस कार्फ्रेंस की। राष्ट्रपति डोनाल्ड ने कहा कि अमेरिका और भारत ने एक समझौता किया है जिसमें दोनों देशों के बीच व्यापार घाटे को कम करने के लिए भारत अधिक अमेरिकी तेल और गैस आयात करना शामिल है। साझा प्रेस कार्फ्रेंस

में पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत और अमेरिका एक साथ खड़े रहेंगे। हम इस बात पर सहमत हैं कि सीमा पार आतंकवाद के उन्मूलन के लिए ठोस कार्रवाई आवश्यक है। मैं राष्ट्रपति का आभारी हूं कि उन्होंने 2008 में भारत में नरसंहार करने वाले अपराधी को अब भारत के हवाले करने का निर्णय किया है। भारत की अदालतें उसके खिलाफ उचित कार्रवाई करेंगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा जो लोग अवैध रूप से दूसरे देशों में रहते हैं, उन्हें वहां रहने का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। हमने हमेशा कहा है कि जो लोग भारत के नागरिक हैं और अवैध रूप से अमेरिका में रह रहे हैं, उन्हें वापस लाने के लिए तैयार हैं। पीएम ने कहा सामान्य परिवारों के लोगों को बड़े-बड़े सपने दिखाए जाते हैं। उनमें से ज्यादातर को गुमराह करके लाया जाता है। अमेरिका और भारत दोनों को मिलकर इस सिस्टम को जड़ से खत्म करने की कोशिश करनी चाहिए। हम इस बात पर सहमत हैं कि सीमा के दूसरी तरफ से पैदा होने वाले आतंकवाद को खत्म करने के लिए ठोस कार्रवाई की जानी चाहिए। भारत में नरसंहार करने वाले एक अपराधी को प्रत्यर्पित करने के फैसले की तारीफ करता हूं।

अमेरिका भारत को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचेगा, तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को ट्रंप ने दी मंजूरी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अमेरिका भारत को अत्याधुनिक एफ-35 लड़ाकू विमान बेचेगा। इसके साथ भारत अत्याधुनिक स्टील्थ विमानों वाले देशों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो जाएगा। ट्रंप ने कहा कि इस साल की शुरुआत में, हम भारत में सैन्य बिक्री को कई अरब डॉलर तक बढ़ाएंगे। हम भारत को एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमान प्रदान करने का मार्ग भी प्रशस्त कर रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को अत्याधुनिक लड़ाकू विमान बेचने की पेशकश की और भारत में सैन्य व्यापार बढ़ाने की बात कही। ट्रंप ने घोषणा की कि अमेरिका भारत को अरबों डॉलर के रक्षा उपकरण बेचेगा और भविष्य में भारत को एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट्स देने की दिशा में भी काम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 2017 में उनके प्रशासन ने क्वाड सुरक्षा साझेदारी को फिर से सक्रिय किया, जिसमें भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह सहयोग इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति बनाए रखने के लिए बहुत जरूरी है। इसके अलावा, ट्रंप ने आतंकवाद के खिलाफ भारत और अमेरिका के संयुक्त प्रयासों पर जोर देते हुए कहा कि दोनों देश कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवाद से निपटने के लिए पहले से ज्यादा मजबूती से साथ काम करेंगे। उल्लेखनीय है कि एफ-35 लड़ाकू विमान 5वीं जनरेशन का विमान है। इसे लॉकहीड मार्टिन ने डेवलप किया है। इस प्लेन को 2006 से बनाना शुरू किया गया था। 2015 से यह अमेरिकी वायुसेना का एक अहम हिस्सा है। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन के इतिहास में सबसे महंगा विमानएफ-35 ही है। अमेरिका एक एफ-35 फाइटर प्लेन पर 82.5 मिलियन डॉलर (करीब 715 करोड़ रुपए) खर्च करता है। व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि मेरे प्रशासन ने 2008 के मुंबई आतंकवादी हमले के साजिशकर्ताओं में से एक (तहव्वुर राणा) और दुनिया के सबसे बुरे लोगों में से एक के प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी है, ताकि उसे भारत में न्याय का सामना करना पड़े। वह न्याय का सामना करने के लिए भारत वापस जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ने पीएम मोदी से मुलाकात के दो घंटे पहले भारत समेत सभी देशों पर जैसे को तैसा टैरिफ (रेसिप्रोकल टैरिफ) लगाने का एलान किया। रेसिप्रोकल टैरिफ यानी जो देश अमेरिकी सामान पर जितना टैरिफ लगाएगा, अमेरिका भी उस देश के सामान पर उतना ही टैरिफ लगाएगा। डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर बहुत ज्यादा टैरिफ लगाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भारत टैरिफ लगाने के मामले में सबसे ऊपर है। कुछ छोटे देश हैं जो इससे भी ज्यादा टैरिफ लगाते हैं, लेकिन भारत का टैरिफ बहुत अधिक है। मुझे याद है कि जब हार्ले डेविडसन भारत में अपनी मोटरबाइक नहीं बेच पा रहा था, क्योंकि भारत में टैक्स बहुत ज्यादा था, टैरिफ बहुत ज्यादा था। लिहाजा हार्ले को निर्माण बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ा। मुझे लगता है कि टैरिफ का भुगतान करने से बचने के लिए उन्हें भारत में एक कारखाना बनाना पड़ा। वहीं टैरिफ के मुद्दे पर डोनाल्ड ने कहा कि इस मीटिंग में हमने हर पहलू पर चर्चा की है। हम भारत के साथ रणनीतिक साझेदारी बढ़ाते रहेंगे। भारत 70% टैरिफ लगाता है। अगर अमेरिका ने भारत पर टैरिफ बढ़ाया तो इससे नुकसान होगा। भारत अपना 17% से ज्यादा विदेशी व्यापार अमेरिका से करता है। अमेरिका, भारत के एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स जैसे फल और सब्जियों का सबसे बड़ा खरीदार है। 2024 में अमेरिका ने भारत से 18 मिलियन टन चावल भी इम्पोर्ट किया है। अगर अमेरिका ने भारत पर टैरिफ लगाया तो अमेरिकी बाजारों में भारतीय प्रोडक्ट्स महंगे बिकने लगेंगे। इससे अमेरिकी जनता के बीच इनकी डिमांड कम हो जाएगी। पीएम मोदी प्रेसिडेंट गेस्ट हाउस यानी आलीशान ब्लेयर हाउस में रुके। यह व्हाइट हाउस के ठीक सामने है। इस गेस्ट हाउस में वर्ल्ड लीडर्स ठहरते हैं। पीएम नरेंद्र मोदी का अमेरिका दौरा खत्म कर दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं।

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने अपने परिवार के साथ पीएम मोदी से मुलाकात की

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से पहले पीएम मोदी ने गुरुवार को वाशिंगटन डीसी के ब्लेयर हाउस में कई दिग्गज नेताओं से मुलाकात की। इसी क्रम में पीएम मोदी ने टेस्ला मोटर्स के सीईओ एलन मस्क के साथ बैठक की। मस्क अपने परिवार के साथ पीएम मोदी से मिलने पहुंचे। उनके साथ उनकी पत्नी और तीन बच्चे भी साथ रहे। उन्होंने चर्चा से पहले पीएम मोदी को एक खास तोहफा भी भेंट किया। इस मुलाकात के दौरान मस्क ने भारत के लिए स्टारलिंक की योजनाओं का जिक्र किया होगा। स्टारलिंक के लाइसेंस आवेदन की समीक्षा की जा रही है और यह दूरसंचार विभाग के पास लंबित है। हालांकि, भारत सरकार ने नीलामी के बजाय प्रशासनिक माध्यमों से स्पेक्ट्रम आवंटन के मस्क के प्रस्ताव का समर्थन किया है। भारतीय ऑपरेटरों ने स्पेक्ट्रम के प्रशासनिक आवंटन का विरोध करते हुए कहा है कि यह 'समान अवसर' के खिलाफ होगा क्योंकि उन्होंने बोली लगाकर बहुत अधिक कीमत पर स्पेक्ट्रम हासिल किया है। भारत सरकार की सुरक्षा चिंताओं पर ऐसा माना जाता है कि एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक ने आश्वासन दिया है कि डेटा को स्थानीय स्तर पर संग्रहीत किया जाएगा। मस्क टेस्ला के इलेक्ट्रिक वाहनों पर टैरिफ कम करने के लिए भी पैरवी कर रहे हैं। मस्क ने भारत को टेस्ला के कम लागत वाले ईवी मॉडल निर्यात करने पर सहमति जताई थी, बशर्ते भारत टैरिफ कम करे।

बजट से पहले नियोजन विभाग ने जारी किया राज्य के आर्थिक सर्वे के आंकड़े

उत्तराखंड की प्रति व्यक्ति आय में 11.33% बढ़ोत्तरी का अनुमान

वित्तीय वर्ष 2024-25 में उत्तराखंड की प्रतिवर्ष प्रति व्यक्ति आय 2,74,064 रुपए होने का अनुमान है, जो कि वित्तीय वर्ष 2023- 24 की तुलना में 11.33 प्रतिशत अधिक है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए प्रति व्यक्ति आय 2,46,178 रुपए अनुमानित की गई थी। इधर, राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2024-25 में प्रति व्यक्ति आय 2,00,162 रुपए अनुमानित है जो कि वर्ष 2023-24 की तुलना में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वर्ष 2023-24 में 1,84,205 रुपए प्रति व्यक्ति आय अनुमानित की गई थी।

शनिवार को मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रमुख सचिव डॉ. आर. मीनाक्षी सुंदरम् ने राज्य में किए गए आर्थिक सर्वे के चुनिंदा आंकड़े पेश किए। उन्होंने बताया कि राज्य में अर्थव्यवस्था का आकार (प्रचलित भावों पर राज्य सकल घरेलू उत्पाद) वित्तीय वर्ष 2024-25 में 378.24 हजार करोड़ रुपए होने का अनुमान है। जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में अर्थव्यवस्था का आकार 332.99 हजार करोड़ रुपए प्राप्त होने का अनुमान था जो कि 13.59 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वर्ष 2023-24 में यह वृद्धि दर 13.78 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

इसी तरह वास्तविक सकल राज्य घरेलू उत्पाद (आधार वर्ष 2011-12) के अनुसार वर्ष 2024-25 में अर्थव्यवस्था का आकार 217.82 हजार करोड़ का स्तर प्राप्त करने का अनुमान है जबकि वर्ष 2023-24 में अर्थव्यवस्था का आकार 204.32 हजार करोड़ प्राप्त करने का अनुमान था। वर्ष 2024-25 में राज्य की आर्थिक विकास दर 6.61 प्रतिशत अनुमानित है। यह वृद्धि दर वर्ष 2023-24 में 7.83 प्रतिशत अनुमानित हैं। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2024-25 में देश की आर्थिक विकास दर 6.4 प्रतिशत प्रदर्शित की गयी है तथा वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत अनुमानित है।

स्मार्ट मीटर से खत्म होंगी बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतें- प्रमुख सचिव ऊर्जा

प्रमुख सचिव ऊर्जा डॉ. आर मीनाक्षी सुंदरम ने कहा है कि, स्मार्ट मीटर लगने से बिजली उपभोक्ताओं की रीडिंग या बिलिंग संबंधित शिकायतों में अप्रत्याशित तरीके से कमी आएगी। साथ ही वर्तमान में स्मार्ट मीटर बिना शुल्क के बदले जाएंगे।

शनिवार को मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस वार्ता में डॉ. आर. मीनाक्षी सुंदरम ने कहा कि स्मार्ट मीटर अत्याधुनिक बिजली मीटर है जिसका कन्ट्रोल उपभोक्ता के हाथ में रहता है। इससे आपको पल-पल बिजली उपयोग की जानकारी, सभी जरूरी सूचनाएं, बिजली उपयोग की तुलना, भुगतान के कई विकल्प मिल जाते हैं। उन्होंने बताया कि यह एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जो भारत सरकार के सहयोग से भी सभी राज्यों में चलाया जा रहा है। प्रमुख सचिव ऊर्जा ने कहा कि अभी यूपीसीएल के उपभोक्ता शिकायत निवारण केंद्र के साथ ही सीएम हेल्पलाइन और विभागीय शिविरों में सबसे अधिक शिकायतों बिलिंग और रीडिंग को लेकर आती हैं। अब स्मार्ट मीटर लगने के बाद मीटर रीडिंग में मानवीय हस्तक्षेप समाप्त हो जाएगा, इससे बिलिंग सम्बन्धी शिकायतों में अप्रत्याशित कमी आएगी। उपभोक्ता को खपत का विवरण मोबाइल एप पर उपलब्ध, होगा जिससे वो अपनी बिजली खपत को बेहतर तरीके से मैनेज कर सकेंगे। साथ ही विद्युत फाल्ट व सप्लाई बाधित होने की सूचना भी तुरंत विभाग तक पहुंच जाएगी। उन्होंने बताया कि रूफ टॉप सोलर लगाने पर यही मीटर नेट मीटर की तरह कार्य करेगा।

प्रमुख सचिव ऊर्जा ने बताया कि पुराने मीटर को स्मार्ट मीटर से बदलने पर कोई इंस्टॉलेशन शुल्क नहीं लिया जायेगा। वर्तमान में भारत सरकार के निर्देश पर पोस्ट पेड मीटर ही लगाए जा रहे हैं। फिर भी कोई उपभोक्ता स्वेच्छा से प्री-पेड मीटर की सेवाएं लेना चाहता हैं तो उन्हें घरेलू कनेक्शन पर वर्तमान में लागू विद्युत दरों पर 4 प्रतिशत तथा अन्य श्रेणी के उपभोक्ताओं को 3 प्रतिशत की छूट मिलेगी। उन्होंने बताया की मुख्यमंत्री के निर्देश पर विभागीय मंत्रिगणों, विधायकों और अधिकारियों के आवासों पर स्मार्ट मीटर लगाने का अभियान शुरु करेगा। घर बैठे मीटर को मोबाइल एप या ऑनलाइन रिचार्ज करने पर बिजली बिल पर लगने वाले ब्याज या लेट फीस से छुटकारा मिलेगा। प्रमुख सचिव ऊर्जा ने कहा कि छुट्टियों के दिनों में या रात में बैलेंस खत्म होने के बाद भी बिना रूकावट बिजली की उपलब्धता बनी रहेगी। उन्होने बताया कि योजना के तहत जून 2026 तक 15.88 लाख उपभोक्ताओं सहित 59212 ट्रासंफार्मर और 2602 फीडर के मीटर बदले जाने हैं।

उत्तराखण्ड शासन
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय
MINISTRY OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS
INDIA
38वें राष्ट्रीय खेल
उत्तराखंड
28 जनवरी - 14 फरवरी 2025
संकल्प से शिखर तक
प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में उत्तराखण्ड निरन्तर प्रगति पथ पर अग्रसर है, जिस प्रकार जी20 का सफल आयोजन प्रदेश ने किया था, उसी प्रकार 38वें राष्ट्रीय खेलों का सफल आयोजन देवभूमि उत्तराखण्ड में हुआ।
पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड
21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हरसंभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक है।
नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री
मा. प्रधानमंत्री

के मार्गदर्शन में
38वें राष्ट्रीय खेलों का हुआ
सफल आयोजन
देवभूमि बनी ख़ेलभूमि
• देहरादून, ऋषिकेश, टिहरी, ऊधमसिंह नगर, हल्द्वानी, हरिद्वार, नई टिहरी, नैनीताल, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और चंपावत में राष्ट्रीय खेलों का हुआ सफल आयोजन
• देश भर के लगभग 10,000 खिलाडियों ने किया प्रतिभाग
• 35 खेलों में हुई प्रतियोगिताएं
• उत्तराखण्ड को मिले ऐतिहासिक अवसर की देवभूमि ने की सफल मेजबानी
• युवाओं को प्रेरित करने के लिए खेल संस्कृति को बढ़ावा
• उत्तराखण्ड के खेल परिदृश्य के लिए ऐतिहासिक मील का पत्थर
अधिक जानकारी के लिए लॉगइन करें
www.38nguk.in
सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी।
www.uttarainformation.gov.in | uttarakhandDIPR | DIPR_UK | uttarakhand DIPR

दिल्ली में मुख्यमंत्री पद को लेकर भाजपा का सस्पेंस, कई चेहरे चर्चाओं में

मोहन सिंह बिष्टः मुख्यमंत्री की रेस में सबसे आगे

दिल्ली चुनाव नतीजों के बाद पूरे देश भर की निगाहें अब नए मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर लगी हुई है। एक सप्ताह बाद भी भाजपा मुख्यमंत्री का एलान नहीं कर सकी है। सीएम पद को लेकर बीजेपी की मगजमारी जारी है। 48 विधायकों में से 9 नाम छांटे गए हैं। दिल्ली में सीएम पद की रेस में कई नाम हैं। जिनमें से मुख्यमंत्री को चुना जाएगा। रेखा गुप्ता, प्रवेश वर्मा, मोहन सिंह बिष्ट, मनजिंदर सिंह सिरसा, विजेंद्र गुप्ता, सतीश उपाध्याय, आशीष सूद, शिखा राय और पवन शर्मा का नाम चर्चा में हैं। लेकिन बीजेपी का इतिहास कम चर्चित नेताओं को आगे बढ़ाने का रहा है। वहीं दिल्ली में भी भाजपा चौंकाने वाला फैसला ले सकती है।

दिल्ली में इसी महीने 8 फरवरी को विधानसभा चुनाव के नतीजे में भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ 27 साल बाद सत्ता में लौटी है। दिल्ली विधानसभा की 70 सीटों में से भारतीय जनता पार्टी ने 48 सीट जीतकर आम आदमी पाटी को पटखनी दी। दिल्ली चुनाव नतीजों के बाद पूरे देश भर की निगाहें अब नए मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर लगी हुई है। एक सप्ताह बाद भी भाजपा मुख्यमंत्री का एलान नहीं कर सकी है। सीएम पद को लेकर बीजेपी की मगजमारी जारी है। 48 विधायकों में से 9 नाम छांटे गए हैं। जिनमें से मुख्यमंत्री को चुना जाएगा। अभी तक सीएम पद को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो पाई है। वहीं भाजपा की ओर से इसको लेकर किसी तरह का संकेत नहीं दिया गया है। लेकिन कई नाम मीडिया और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बने हुए हैं। रेखा गुप्ता, प्रवेश वर्मा, मोहन सिंह बिष्ट, मनजिंदर सिंह सिरसा, विजेंद्र गुप्ता, सतीश उपाध्याय, आशीष सूद, शिखा राय और पवन शर्मा का नाम चर्चा में हैं। हालांकि ये सिर्फ कयास हैं, पीएम मोदी और अमित शाह राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश की तरह दिल्ली में भी कोई सरप्राइज दे सकते हैं। दिल्ली में मुख्यमंत्री की रेस में एक नाम ऐसा है जिसका उत्तराखंड को भी इंतजार है। इनका नाम है सबसे वरिष्ठ भाजपा नेता और विधायक मोहन सिंह बिष्ट। मोहन सिंह बिष्ट 1998 से 2015 तक लगातार 4 बार विधानसभा चुनाव जीता। 2015 में कपिल मिश्रा से हार गए, लेकिन 2020 में फिर से विधायक चुने गए। इस बार भाजपा हाईकमान ने उनकी सीट बदलकर मुस्लिम बहुल मुस्तफाबाद से लड़ाया। इसके बावजूद 17 हजार से ज्यादा वोटों से जीत गए। मोहन सिंह बिष्ट की संघ और संगठन में अच्छी पकड़ रही है। पहाड़ी क्षेत्रों में उनका अच्छा प्रभाव है। भाजपा ने मुख्यमंत्री को लेकर सस्पेंस बना रखा है। हालांकि मुख्यमंत्री की घोषणा देर से करने की एक वजह यह भी है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच दिवसीय दौरे पर फ्रांस और अमेरिका गए हुए थे। शुक्रवार रात पीएम मोदी भारत लौट आए हैं। अब दिल्ली में सरकार बनाने की कवायद तेज होगी। उनके साथ गृह मंत्री अमित शाह, जेपी नड्ढा और बीजेपी के शीर्ष नेताओं की बैठक होनी है । इसमें मुख्यमंत्री पद पर फैसला होगा। इसके लिए बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने होमवर्क पूरा कर लिया है। इसी आधार पर पीएम के साथ चर्चा होगी। उनकी मुहर लगते ही नाम सामने आ जाएगा।

दो-तीन दिनों में मुख्यमंत्री का नाम सामने आ जाएगा, भाजपा में मंथन जारी

17 या 18 फरवरी को विधायक दल की मीटिंग हो सकती है। 19 या 20 फरवरी को शपथ ग्रहण संभव है। यानी दिल्ली को नई सरकार अगले हफ्ते मिलने की संभावना है। दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में कैबिनेट की शपथ हो सकती है। पंजाब को देखते हुए मनजिंदर सिंह सिरसा का नाम आगे है। साथ ही, जिस तरह से हरियाण ा में बीजेपी ने तीसरी बार जीत दर्ज कर सरकार बनाई है, इसका भी ध्यान रखते हुए सिरसा का नाम सीएम रेस में है, क्योंकि

प्रवेश वर्मा का नाम मुख्यमंत्री के लिए तेजी से चल रहा है।

वह हरियाणा से ही आते हैं। वहीं बीजेपी दिल्ली की कमान महिला नेता के हाथ में भी सौंप सकती है। जिसमें बांसुरी स्वाराज के अलावा रेखा गुप्ता और शिखा नाय के नाम भी शामिल हैं। रेखा गुप्ता आरएसएस के बैकग्राउंड से हैं। वो शालीमार बाग सीट से पहली बार विधायक बनीं हैं। दिल्ली नगर निगम में तीन बार की पार्षद हैं। वहीं एक और नाम है शिखा राय का, जो तीन बार से विधायक हैं। इस बार उन्होंने ग्रेटर कैलाश सीट से कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज को हराया है। दिल्ली बीजेपी का बड़ा चेहरा माने जाने वाले विजेंदर गुप्ता भी रेस में हैं। वो लगातार 3 बार के विधायक हैं। दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष रह चुके हैं। बीजेपी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य भी हैं। वहीं, सतीश उपाध्याय भी दावेदारों में हैं। वो ब्राह्मण चेहरा होने के साथ इस बार चुनाव भी जीता है। पहले वो दिल्ली बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इसके अलावा एक नाम आशीष सूद का है जो पहली बार विधायक बने हैं। फिलहाल वे गोवा बीजेपी के प्रभारी हैं और जम्मू-कश्मीर में बीजेपी के सह-प्रभारी हैं। नवनिर्वाचित विधायक पवन शर्मा का नाम भी सामने आ रहा है। वो इस बार उत्तम नगर से विधायक चुने गए हैं। भाजपा ने 5 फरवरी को हुए दिल्ली विधानसभा चुनावों में 70 में से 48 सीटों पर जीत हासिल की, जबकि आप को केवल 22 सीटें मिलीं। चुनाव परिणाम 8 फरवरी को घोषित किए गए थे। दिल्ली विधानसभा का मौजूदा कार्यकाल 26 फरवरी को समाप्त हो रहा है और नई सरकार को उससे पहले कार्यभार संभालना होगा। जिस तरह से दिल्ली सीएम चेहरे को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं, जनता के सब्र का बांध भी टूटता दिख रहा है। सभी यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि नया मुख्यमंत्री कौन होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि भाजपा हाईकमान दो-तीन दिनों में दिल्ली के मुख्यमंत्री का नाम एलान कर दिया जाएगा।

गलत परिसीमन नीति के चलते त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में पर्वतीय ग्रामीण क्षेत्रों की सीटें हो रही हैं कम- यशपाल आर्य

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने आरोप लगाया कि, उत्तराखण्ड सरकार राज्य में त्रि-स्तरीय चुनावों में ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिनिधित्व कम कर रही है। उन्होनें कहा कि, सरकार की परिसीमन की नीति के चलते उत्तराखण्ड के पर्वतीय ग्रामीण क्षेत्रों में त्रिस्तरीय पंचायतों के हर स्तर पर सीटें कम हो रही हैं। श्री यशपाल आर्य ने कहा कि, राज्य में त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव होने हैं। सरकार कुछ महिनों से जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत और ग्राम पंचायत की सीटों के परिसीमन की कवायद कर रही है। उन्होनें आरोप लगाया कि, सरकार के फार्मूले और परिसीमन के संबध में जारी किए आदेशों पर भरोसा किया जाय तो पर्वतीय क्षेत्रों के जिलों में हर स्तर की पंचायत में या तो सीटों की संख्या घटेगी या सालों से यह संख्या यथावत चली आ रही है। नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि, सरकार ने कुछ समय पूर्व परिसीमन से संबधित आदेश जारी करते हुए पर्वतीय क्षेत्रों में 24000 तक की जनसंख्या के लिए और मैदानी क्षेत्रों में 50000 की जनसंख्या के लिए 2 जिला पंचायत सीटों का निर्धारण किया है ,इससे पर्वतीय क्षेत्रों के कुछ विकास खण्डों में जिला पंचायत सदस्यों की संख्या या तो घटी है या यथावत रही है। उन्होनें कहा कि, 12000 की जनसंख्यां पर्वतीय क्षेत्र में एक बहुत बड़े भू-भाग वाले क्षेत्रफल की होती है। पर्वतीय क्षेत्रों में पंचायत सीटों का क्षेत्रफल अधिक और विकट होने के कारण न तो विकास कार्य हो पाते हैं न पंचायत प्रतिनिधि अपने क्षेत्र की समस्याओं के साथ न्याय कर पाता है। उन्होंने कहा यही स्थिति क्षेत्र पंचायतों और ग्राम पंचायतों की भी है।

नेता प्रतिपक्ष ने बताया कि, राज्य के शहरी क्षेत्रों का परिसीमन कर कई नगरीय पंचायतों का दर्जा भी बड़ाया गया है और वहां वार्डों की संख्या भी बड़ाई गयी है। उन्होंने आरोप लगाया कि, त्रि-स्तरीय पंचायतों के पिछले कई कार्यकालों से हर बार दिखाने को हर स्तर की पंचायतों का परिसीमन तो हो रहा है लेकिन सीटों की संख्या बड़ नहीं रही हैं। उन्होंने कहा कि इससे सिद्ध होता है कि, उत्तराखण्ड सरकार ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को पंचायतों में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं देना चाहती है।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि, पंचायत के हर स्तर पर सीटों की संख्या बड़ने से राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के लिए अधिक बजट और योजनाऐं आती थी। हर स्तर की पंचायतों की सीटों में कमी आने या सीटों की संख्या स्थिर रहने से विकास की गति भी रुकेगी या कम होगी। इसलिए पहाड़ में जिला पंचायत की मूलभूत सुविधाओं एवं विकास की मूलभूत धारणा को पहुंचाने के लिए पहाड़ में 8 से 10 हजार की जनसंख्या में एक जिला पंचायत सीट का गठन होना नितांत आवश्यक है।

परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद कॉलेजों का निरिक्षण औचित्यहीन- डॉ. सुनील अग्रवाल

डॉ. सुनील अग्रवाल

निजी कॉलेज एसोसिएशन उत्तराखंड के अध्यक्ष डॉ सुनील अग्रवाल ने श्री देव सुमन विश्वविद्यालय द्वारा कुछ कॉलेजों को पूर्व के वर्षों के लिए निरीक्षण टीम बनाए जाने संबंधी पत्र भेजे जाने पर आपत्ति प्रकट की है इस संबंध में विश्वविद्यालय को पत्र भेज कर विरोध प्रकट किया गया है डॉ अग्रवाल ने बताया कि श्री देव सुमन विश्वविद्यालय द्वारा कुछ संबद्ध कॉलेजों को पिछले कई वर्षों से संबद्धता प्रमाण पत्र जारी नहीं किए गए अब विश्वविद्यालय द्वारा कुछ कॉलेजों को पिछले 5 वर्षों की संबद्धता हेतु निरीक्षण के लिए पत्र जारी किए गए हैं वर्तमान परिस्थितियों में जब विश्वविद्यालय द्वारा उन वर्षों हेतु कॉलेजों के छात्रों की परीक्षाएं संपन्न की जा चुकी है पिछले वर्षों के परीक्षा परिणाम घोषित हो चुके हैं ऐसे में अब निरीक्षण की बात औचित्यहीन है क्योंकि जब कॉलेजों की परीक्षाएं विश्वविद्यालय द्वारा करवाई गई तो यह स्पष्ट है कि उन कॉलेजों की विश्वविद्यालय से संबद्धता यथावत रही है डॉक्टर अग्रवाल ने कहा की कॉलेजों का निरीक्षण विश्वविद्यालय का अधिकार है और कोई भी कॉलेज निरीक्षण से मना नहीं कर सकता प्रत्येक वर्ष कॉलेजों को संबद्धता विस्तारण हेतु विश्वविद्यालय में आवेदन करना होता है और विश्वविद्यालय में संबद्धता नवीनीकरण हेतु फीस जमा की जाती है सभी कॉलेज प्रत्येक वर्ष संबद्धता नवीनीकरण हेतु विश्वविद्यालय में आवेदन करते हैं अब संबद्धता नवीनीकरण कैसे किया जाना है यह विश्वविद्यालय को देखना है अगर विश्वविद्यालय यह सोचे की कॉलेज संबद्धता नवीनीकरण के आवेदन के अलावा निरीक्षण हेतु भी आवेदन करेंगे तो यह सही नहीं है वैसे भी 5 वर्ष से अधिक पुराने कॉलेजों के कोर्सों की स्थाई संबद्धता होनी चाहिए लेकिन इस दिशा में अभी तक शासन या विश्वविद्यालय द्वारा कोई सकारात्मक दृष्टिकोण नहीं अपनाया गया इसलिए संबंधित कॉलेज विश्वविद्यालय के द्वारा अब भेजे गए पूर्व वर्षों के निरीक्षण का विरोध नहीं कर पा रहे हैं लेकिन सैद्धांतिक रूप से यह औचित्यहीन है और विश्वविद्यालय को अब कॉलेजों का अगले सत्र 2025-26 हेतु निरीक्षण करना चाहिए जिससे समय से औपचारिकताएं पूर्ण कर संबद्धता प्रमाण पत्र जारी किए जा सके।

प्रतिष्ठित लॉ फर्मों ने दिया लॉ कॉलेज देहरादून के 300 छात्रों व्यवहारिक प्रशिक्षण

उत्तरांचल विश्वविद्यालय के लॉ कॉलेज देहरादून में आज विधि के छात्रों को कॉरपोरेट लॉ में दशता हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ किया गया। विश्वविद्यालय द्वारा छात्रों को कॉरपोरेट लॉ की हैंड्स ऑन ट्रेनिंग देने हेतु देश की प्रख्यात लॉ फर्मों के विशेषज्ञों को आंमत्रित किया गया था। प्रशिक्षण शिविर में कॉरपोरेट प्रेक्टिस को अपना भविष्य बनाने वाले 300 छात्रों ने भागीदारी की। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रख्यात लॉ फर्म कोचर एण्ड कम्पनी के पार्टनर अनुज कैला, सिरिल अमरचन्द मंगलदास लॉ फर्म के फ्रुलगोयल, उपकुलपति प्रो. राजेश बहुगुणा, प्राचार्य प्रो. पूनम रावत, सलाहकार सौरभ बडोनी व निदेशक अरूण गोदियाल द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर किया गया। अपनी प्रस्तुति में श्री अनुज कैला ने अपना विषय नये विधि स्नातकों से नियोक्ताओं की उम्मीदों तक सीमित रखा। उन्होंने छात्रों को प्लेसमेंट पूर्व की तैयारियों केगुर सिखाए। पफ्रुल गोयल की प्रस्तुति का विषय इन्टर्नशिप पर आधारित था। उन्होंने छात्रो की पांच वर्षों की इन्टर्नशिप का रोडमैप तैयार करवाया और बताया कि कॉरपोरेट प्रैक्टिस के लिए कौन-कौन सी इन्टर्नशिप अनिवार्य है। कार्यक्रम के अंत में प्रश्न उत्तर का सत्र रखा गया। जिसमें विशेषज्ञों द्वारा उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया गया। अपने सम्बोधन में प्रो. राजेश बहुगुणा ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में जहाँ एक ओर विधि स्नातकों के लिए अपार सम्भावनाएं है वहीं अनेकानेक चुनौतियाँ भी है। उन्होंने कहा कि विधि के छात्रों को उनकी नियमित पढ़ाई के अतिरिक्त नियमित इंटर्नशिप, कोर्ट ट्रैनिंग एवं प्लेसमेंट पूर्व की ट्रैनिंग करना भी आवश्यक है। कॉरपोरेट रिसोर्स सेन्टर के निदेशक अरूण गोदियाल द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया जबकि कार्यक्रम संचालन पूर्णिमा त्यागी, नैना भट्ट व प्रतिशा रावत द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

देवभूमि पत्रकार यूनियन के शिष्टमंडल ने की मेयर से शिष्टाचार भेंट

देवभूमि पत्रकार यूनियन की नवनिर्वाचित प्रदेश कार्यकारिणी के शिष्टमंडल ने देहरादून के महापौर सौरभ थपलियाल से शिष्टाचार भेंट कर उनको माल्यार्पण कर बुके प्रदान कर स्वागत किया। मेयर का स्वागत करते हुए यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष अनिल वर्मा ने कहा कि मीडियाकर्मी जनहित में नगर निगम को यथा सहयोग करेंगे। देवभूमि पत्रकार यूनियन महापौर जी द्वारा जनहितार्थ किए जाने वाले कार्यों की जानकारी जनता को देगी।

यूनियन के प्रदेश महासचिव डॉ. वी डी शर्मा ने कहा कि शहर की जनता ने ऐतिहासिक रिकॉर्ड मतों से मेयर को जिताया है। उनकी माननीय सौरभ थपलियाल जी से भारी अपेक्षाएं हैं। उनके नेतृत्व में देहरादून प्रगति के नए आयाम स्थापित करेगा। नवनिर्वाचित मेयर ने यूनियन के शिष्टमंडल का आभार व्यक्त करते हुए यथा सहयोग करने का आश्वासन दिया।

इस अवसर पर यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष अनिल वर्मा, महासचिव डॉ. वी.डी.शर्मा, उपाध्यक्ष कुंवर राज अस्थाना, विजय जयसवाल, सिद्धनाथ उपाध्याय, दीपक धीमान, डॉ. जमशेद उस्मानी, शशिकान्त मिश्रा, संजय त्यागी, भुवन उपाध्याय, हरीश खनेडा, नवीन चंद्र जोशी, रजत शर्मा, अनुज अवस्थी, गौरव भारद्वाज, रोहित कुमार आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ. आर. मीनाक्षी सुंदरम के प्रमुख सचिव नियुक्त होने पर पुष्पगुच्छ भेंट करके शुभकामनाएं देते हुए दिव्य हिमगिरि के संपादक कुँवर राज अस्थाना।

हास्य कलाकार घनानंद के निधन पर धीरेंद्र प्रताप ने किया शोक व्यक्त

उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने उत्तराखंड के जाने-माने हास्य कलाकार घनानंद के निधन पर गहरा दुख और शोक व्यक्त किया है। धीरेंद्र प्रताप ने घनानंद को उत्तराखंड फिल्म जगत का बहुत ही चमकदार सितारा बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने अभिनय से उत्तराखंड के जन-जन में अपना स्थान बनाया था उन्होंने कहा उनके निधन से उत्तराखंड फिल्म जगत में जो स्थान रिक्त हुआ उसे कभी भरा ना जा सकेगा, उन्होंने ईश्वर से उनके परिजनों को इस भारी दुख को सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है।

सतपाल महाराज ने "घन्ना भाई" के निधन को बताया कला जगत की बड़ी क्षति

प्रदेश के पर्यटन, लोक निर्माण, सिंचाई, पंचायतीराज, जलागम, ग्रामीण निर्माण, धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री सतपाल महाराज ने उत्तराखंड सरकार में राज्य मंत्री रहे प्रसिद्ध हास्य कलाकार घनानंद "घन्ना भाइ" के असामायिक निधन पर गहरा दु:ख प्रकट करते हुए प्रदेश के कला जगत के लिए एक अपूर्णीय क्षति बताया है। श्री महाराज ने कहा कि घनानंद 'घन्ना भाई' पहाड़ के मंझे हुए हास्य कलाकार थे। रामलीलाओं से अपने अभिनय की शुरुआत करने वाले 'घन्ना भाई' ने रेडियो, दूरदर्शन के साथ साथ कई गढ़वाली और कुमाऊंनी फिल्मों में हास्य अभिनय के माध्यम से अपनी कला की अमिट छाप छोड़ी है। सबको हंसाने वाले 'घन्ना भाई' जैसे उच्च कोटि के कलाकार का यूं एकाएक हमें छोड़कर चले जाना वास्तव में कला जगत की बड़ी क्षति है। ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वह उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान दें। उन्होंने कहा कि दु:ख की इस घड़ी में उनकी संवेदनाएं उनके परिजनों के साथ हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय महिला एवं बालिका विज्ञान दिवस चतुर्थ विज्ञान संचारक सम्मान -2025

न्यूक्लियर मेडिसन के लिए डा. वंदना धींगरा, बायोटेक्नॉलोजी के लिए डॉ. साक्षी पैन्यूली, संचार के लिए वरिष्ठ वैज्ञानिक जया मिश्रा सहित 13 महिलाओं को मिला विज्ञान संचारक सम्मान -2025

स्पेक्स देहरादून, ग्रासरूट अवेयरनेस एंड टेक्निकल इंस्टीट्यूट फॉर सोसायटी (गति), सनराइज एकेडमी, मंथन वेलफेयर सोसाइटी, कुसुम कांता फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में 11 फरवरी, 2025 को महिला एवं बालिका विज्ञान के अवसर पर सनराइज एकेडमी स्कूल, रायपुर रोड, देहरादून में अन्तर्राष्टीय महिला एवं बालिका विज्ञान दिवस चेतुर्थ विज्ञान संचारक सम्मान -2025 आयोजित किया गया। सरस्वती वंदना के साथ दीप प्रज्वलित कर मुख्य अतिथि व सभी अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं शिक्षा अनुसंधान केंद्र की निदेशक प्रो. (डॉ.) अनीता रावत ने किया।

प्रोफ़ेसर डॉ अनीता रावत ने सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आज महिला एवं बालिका विज्ञान दिवस के अवसर पर महिला वैज्ञानिकों का सम्मान एक सराहनीय कार्य है। इस कार्य के लिए सभी संस्थाएं बधाई की पात्र हैं। उन्होंने कई उदाहरणों के माध्यम से बताने का प्रयास किया कि आज की नारी किसी की मोहताज नहीं है वह अपनी काबकियत के बल पर कोई भी मुकाम हासिल कर सकती है। उन्होंने सभी सम्मान प्राप्त करने वाली महिला वैज्ञानिकों को साधुवाद देते हुए कहा कि आप सब किसी ना किसी के लिए प्रेरण ा दायक हैं और आपके माध्यम से बहुत सी बच्चियां अपना योगदान समाज को विज्ञान के माध्यम से देंगी। उनके द्वारा यूसर्क के कार्यो को सभी के सम्मुख प्रस्तुत किया गया।

इससे पूर्व स्वागत भाषण में गति सोसायटी की उपाध्यक्ष श्रीमती मोना बाली ने अंतर्राष्ट्रीय महिला और लड़कियों के विज्ञान में योगदान पर कहा, 'महिलाएं और लड़कियां विज्ञान के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। उन्हें प्रोत्साहित करना और अवसर देना आवश्यक है, ताकि वे अपने सपनों को साकार कर सकें और समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकें। विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं का योगदान भविष्य की दिशा तय करेगा।'

डॉ पारुल सिंघल द्वारा उन समस्त भारतीय प्रथम महिलाओं के योगदान को रेखांकित किया गया जिन्होंने भारत में विज्ञान के माध्यम से समाज में अपना व देश का नाम रोशन किया। जिन महिला वैज्ञानिकों को विज्ञान संचारक सम्मान से सम्मानित किया गया वे अपनी-अपने क्षेत्र में विशिष्ट पहचान बनाने में कामयाब रही हैं।

स्पेक्स संस्था विगत 3 वर्षो से प्रत्येक वर्ष विज्ञान एवं बालिका दिवस के अवसर पर विज्ञान संचारक सम्मान का आयोजन कर महिला वैज्ञानिकों को उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित कर रही हैं।

इस वर्ष भी यह सम्मान विज्ञान के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिए एमेटी विश्वविद्यालय नोएडा डॉ रीता कुमार एमेटी विश्वविद्यालय नोएडा को मनोचिकित्सका के क्षेत्र में, प्रबंध निदेशक ओजस एनिमल फीड्स की बीनू भदौरिया को एनिमल हजमेंड्री के लिए, एम्स ऋषिकेश की डॉ वंदना कुमार ढींगरा को न्यूक्लियर मेडिसन एवं प्रो. अनिसा अतिफ मिर्ज़ा को बायोकेमेस्ट्री के लिए, वैज्ञानिक उत्तराखण्ड कौंसिल फॉर बायो टेक्नोलोजी डॉ साक्षी पैन्यूली बायो टेक्नोलोजी के क्षेत्र में, सी आई एम एस आर की डॉ दीपिका बिश्वास मेडिसनल प्लांट के क्षेत्र में, बिंदु सोसायटी की डॉ रश्मि पैन्यूली को आजीविका प्रबन्धन के क्षेत्र, सरदार भगवान यूनिवर्सटी की डॉ निक्की नौटियाल को बायोटेक्नोलॉजी के क्षेत्र में, ग्राफिक एरा हिल्स यूनिवर्सटी डॉ रीनू जौहरी फॉर्मेसी के क्षेत्र में, डिल की वरिष्ठ वैज्ञानिक जया मिश्रा को संचार के लिए, अरिहंत हॉस्पिटल से डॉ विदुषी ज्याला को आई वी एफ में, डॉ सुनीता विद्यार्थी सौर ऊर्जा, माया देवी यूनिवर्सटी से डॉ पारुल सिंघल को विज्ञान में महिलाओं के योगदान पर व्याख्यान हेतु दिया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाचार्या फूल चंद नारी शिल्प मंदिर गर्ल्स इंटर कॉलेज एवं ग्रासरूट अवेयरनेस एंड टेक्निकल इंस्टीट्यूट फॉर सोसायटी की उपाध्यक्ष श्रीमती मोना बाली द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन सनराइज एकेडमी की श्रीमती मोनिका शर्मा व प्रतिभा खत्री द्वारा किया गया।

सम्मान समारोह का समापन सनराइज एकेडमी की संचालिका पूजा पोखरियाल के सभी आभार व्यक्ति किया। सम्मान समारोह में स्पेक्स के अध्यक्ष डॉ बृज मोहन शर्मा, सनराइज एकेडमी की प्रधानाचार्य नीतू तोमर एवं शिक्षक शिक्षिकाएं, ग्रासरूट अवेयरनेस एंड टेक्निकल इंस्टीट्यूट फॉर सोसायटी से नीरज उनियाल, आलम सिंह रावत, मनोज शर्मा, आशुतोष बौड़ाई, मंथन सोसायटी से अमित पोखरियाल, कुसुम कांता फाउंडेशन के सदस्य आदि सम्मिलित रहे।

बिमला बहुगुणाः विनम्र श्रद्धांजलि!

शीशपाल गुसाईं

उत्तराखंड की सामाजिक और पर्यावरणीय आंदोलनों की अग्रणी नेत्री बिमला बहुगुणा का देहांत हो गया है। वह न केवल उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में होने वाले आंदोलनों की प्रमुख हस्ती थीं, बल्कि अपने पति सुंदरलाल बहुगुणा के साथ मिलकर समाज और पर्यावरण के लिए समर्पित जीवन जीने वाली महिला थीं। उनका जीवन और संघर्ष उत्तराखंड के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अध्याय है। सुंदरलाल बहुगुणा और बिमला नौटियाल दोनों सिराई व मालीदेवल गांव पट्टी जुवा टिहरी गढ़वाल (अब उत्तराखंड) के प्रतिष्ठित परिवारों से ताल्लुक रखते थे। सुंदरलाल के पिता अम्बादत्त बहुगुणा और बिमला के पिता नारायणदत्त नौटियाल रियासत काल में बड़े अधिकारी थे। हालांकि, दोनों के घर में विद्रोही संतानों ने जन्म लिया, जिन्होंने अपने परिवार की परंपरागत राह छोड़कर समाज सेवा और राष्ट्रीय आंदोलनों में भाग लिया। सुंदरलाल बहुगुणा ने लाहौर से शिक्षा प्राप्त की और भारत की आजादी की लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभाई, जिसके कारण उन्हें जेल भी जाना पड़ा। वहीं, विमला नौटियाल ने सरला बहन (गांधीजी की शिष्या) के आश्रम, लक्ष्मी आश्रम कौसानी में शिक्षा प्राप्त की और समाज सेवा की ओर झुकाव रखा।

1956 में, जब सुंदरलाल और बिमला के बीच रिश्ते की बात चली, तो बिमला ने एक शर्त रखीरू सुंदरलाल को राजनीति छोड़नी होगी और दूरस्थ गांवों में जन सेवा का संकल्प लेना होगा। यह शर्त उस समय की सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों को देखते हुए बहुत बड़ा त्याग था। सुंदरलाल ने इस शर्त को स्वीकार किया और दोनों ने टिहरी से 40 किलोमीटर दूर सिलियारा गांव में एक छोटा सा आश्रम बनाया। यह आश्रम उनके सहजीवन और समर्पण की शुरुआत थी।

1960 के दशक में उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में शराबबंदी आंदोलन चला। इस आंदोलन का मुख्य उद्देश्य शराब के दुष्प्रभावों से समाज को मुक्त करना था। शराब से कईयों के परिवार बर्बाद हो रहे थे। 1965 में घनसाली व 1971 में टिहरी में शराब की दुकान बंद कराने के लिए बिमला बहुगुणा ने अपने पति के साथ इस आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने महिलाओं को संगठित किया और शराब के खिलाफ जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके प्रयासों से कई गाँवों में शराब की बिक्री पर रोक लगी और समाज में एक नई चेतना का संचार हुआ।

1979 में, टिहरी (अब उत्तराखंड) के कीर्तिनगर क्षेत्र में वनों की कटान के खिलाफ एक महत्वपूर्ण आंदोलन शुरू हुआ। यह आंदोलन पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय लोगों के जीवन, आजीविका और सांस्कृतिक परंपराओं को बचाने के लिए भी था। इस आंदोलन की अगुवाई बिमला बहुगुणा और उनके पति सुंदरलाल बहुगुणा ने की। बिमला बहुगुणा ने इस संघर्ष में न केवल पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई, बल्कि यह भी साबित किया कि महिलाएं सामाजिक न्याय और पर्यावरणीय संरक्षण के आंदोलनों में अग्रणी भूमिका निभा सकती हैं। टिहरी बांध आंदोलन भारत के उत्तराखंड राज्य में एक प्रमुख पर्यावरणीय और सामाजिक आंदोलन था, जो टिहरी बांध के निर्माण के विरोध में चलाया गया। यह बांध भागीरथी नदी पर बनाया गया था और इसका उद्देश्य पनबिजली उत्पादन, सिंचाई और पेयजल आपूर्ति करना था। हालांकि, इसके निर्माण से पर्यावरण और स्थानीय समुदाय पर गंभीर प्रभाव पड़ने की आशंका थी, जिसके कारण यह आंदोलन शुरू हुआ। सुंदरलाल बहुगुणा और बिमला बहुगुणा इस आंदोलन के प्रमुख नेता थे, जिन्होंने अपने जीवन के 15 साल इस संघर्ष में लगा दिए।

सर्वोदयी विमला बहुगुणा एक प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता थीं, जिन्होंने उत्तराखंड के चारधाम सहित कई प्रमुख मंदिरों में दलितों को प्रवेश दिलाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके इस संघर्ष में बहुगुणा, का हर कदम पर उनका साथ दिया। दलितों के मंदिरों में प्रवेश के मामले में उन्हें विरोध का भी सामना करना पड़ा। बिमला बहुगुणा ने समाज में समानता और न्याय के लिए कई वर्षों तक काम किया और उनके प्रयासों को 1995 में जमना लाल बजाज पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार उन्हें समाज सेवा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए दिया गया था। उनका कार्य न केवल धार्मिक समानता, बल्कि सामाजिक न्याय और मानवाधिकारों के क्षेत्र में भी प्रेरणादायक रहा है।

बिमला बहुगुणा और सुंदर लाल बहुगुणा का विवाह 1956 में हुआ था। उनका साथ 65 वर्षों तक रहा, जो एक अद्भुत और मजबूत रिश्ते का प्रतीक है। सुंदर लाल बहुगुणा का 2021 में निधन हो गया, लेकिन उनका यह लंबा और प्रेरणादायक साथ हमेशा याद किया जाएगा। उनका जीवन एकता, समर्पण और प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण है।

बिमला बहुगुणा के भाई प्रसिद्ध कहानीकार और कम्युनिस्ट नेता पूर्व विधायक श्री विद्यासागर नौटियाल थे। विद्यासागर नौटियाल हिंदी साहित्य में अपनी कहानियों के लिए जाने जाते हैं और उन्होंने कम्युनिस्ट राजनीति में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उत्तरप्रदेश विधानसभा के लिए 1980 में वह टिहरी जिले की देवप्रयाग विस् सीट से सीपीआई के विधायक चुने गए। उनकी रचनाएँ उत्तर बायां है', 'यमुना के बागी बेटे', 'भीम अकेला', 'झुंड से बिछुड़ा', 'फट जा पंचधार', 'सुच्ची डोर', 'बागी टिहरी गाए जा', 'सूरज सबका है' उनकी प्रतिनिधि रचनाएं हैं. जो बहुत चर्चाओं में रही। उन्होंने अपने लेखन के माध्यम से समाज में बदलाव लाने का प्रयास किया। 2012 में सागर जी का 79 उम्र में निधन हो गया था। अभी हाल ही में 9 जनवरी 2025 को सुंदर लाल बहुगुणा जी की 98 वीं जयंती पर दून लाइब्रेरी में बिमला बहुगुणा भी शामिल हुई थी। अब वह हमारे बीच नहीं रही। लेकिन उनके कामो का उल्लेख होता रहेगा। विनम्र श्रद्धांजलि।

जानिए कैसा होगा आपका यह सप्ताह

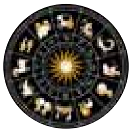
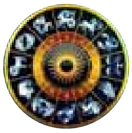
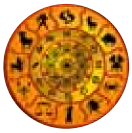

पं. दीपक प्रसाद, शास्त्री (मो. 9557730042)
(ज्योतिष, कर्मकाण्ड, धर्मिक अनुष्ठान आदि)

मेष राशि- आपकी किसी गतिविधि और काबिलियत की तारीफ होगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ धार्मिक स्थल पर जाने का प्रोग्राम बनेगा। व्यवसाय संबंधी नए कार्य को शुरू करने की रूपरेखा बनेगी। मनचाहा फायदा और प्रोग्रेस मिलेगी। विवाहित जीवन व्यवस्थित रहेगा। प्रेमी-प्रेमिका के बीच चल रही गलतफहमियां दूर होंगी। भाग्यशाली रंग- नारंगी

वृषभ राशि- अविवाहित लोगों के लिए दिन खुशखबरी लाने वाला है। नकारात्मक परिस्थिति में मनोबल बनाए रखें। उच्च शिक्षा वाले विद्यार्थियों को किसी विषय में समस्या आ सकती है। पति-पत्नी के बीच मनमुटाव से घर की व्यवस्था भी प्रभावित होगी। प्रेम संबंधों के मामले में भी स्थिति अच्छी नहीं चल रही है। भाग्यशाली रंग- गुलाबी

मिथुन राशि- मेहनत और योग्यता के अनुकूल परिणाम मिलेंगे। सामाजिक धार्मिक आयोजन का भी दायित्व आप पर रहेगा। इसे आप अच्छे से निभाएंगे। ऑफिस में कर्मचारियों की मेहनत से कामों में तेजी आएगी। विद्यार्थी और युवा व्यर्थ घूमने-फिरने और दोस्तों के साथ समय व्यतीत करने में समय बर्बाद न करें। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। भाग्यशाली रंग- बादामी

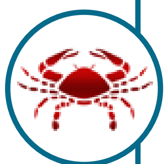

कर्क राशि- घर में नजदीकी लोगों के आने से मनोरंजन और उत्साह का माहौल रहेगा। संतान के काम शांतिपूर्ण तरीके से पूरे हो जाएंगे। दूसरों पर ज्यादा डिसिप्लिन न रखें। कार्यस्थल पर दूसरों पर विश्वास करना नुकसान दे सकता है। अपने निर्णय को ही महत्व दें। घर का माहौल शांतिपूर्ण और सुखद रहेगा। बदलते मौसम से खुद को बचाएं। भाग्यशाली रंग- गुलाबी

सिंह राशि- आर्थिक योजनाओं पर जरूर ध्यान दें। अपनों के साथ विवाद हो सकता है। जिससे स्वभाव में चिड़चिड़ापन दिखेगा। बिजनेस के काम योजना बनाकर करने की जरूरत है। मार्केटिंग के काम और पेमेंट कलेक्ट करने में समय बितेगा। घर-परिवार के कामों में अपना योगदान दें। इससे आपसी संबंधों में मधुरता और नजदीकी बढ़ेगी। भाग्यशाली रंग- हरा

कन्या राशि- प्रौपर्टी में पैसा इन्वेस्ट करने की सोच रहे हैं, तो तुरंत निर्णय लें। विद्यार्थी आलस्य और मौज मस्ती में समय खराब न करें। पढ़ाई पर पूरा ध्यान दें। इस समय व्यवसाय के सिलसिले में की गई यात्रा लाभप्रद रहेगी। जो संबंधों में अधिक नजदीकियां बढ़ाएंगी। प्रेम प्रसंग के मामले में समय सुखद है। अध्यात्म और धर्म कर्म में रुचि बढ़ेगी। भाग्यशाली रंग- सफेद

तुला राशि- अपने सपने और कल्पनाओं को पंख दें। रिश्तेदार के यहां धार्मिक उत्सव में जाने का प्रोग्राम बनेगा। अचानक किसी संबंधी के घर में आने से आपकी दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। जितनी मेहनत करेंगे उसके अनुसार लाभ नहीं मिलेगा। टैक्स से जुड़े सभी पेपर संभालकर रखें। ऑफिशियल यात्रा का प्रोग्राम बनेगा। भाग्यशाली रंग- गुलाबी

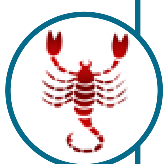

वृश्चिक राशि- भविष्य संबंधी योजनाओं पर विचार-विमर्श कर सकते हैं। विपरित परिस्थिति में मनोबल और आत्मविश्वास बनाए रखें। छोटी-छोटी बातें नजरअंदाज करें। व्यवसाय में अच्छी व्यवस्था रहेगी। सरकारी नौकरी में लापरवाही न करें। पुरानी स्वास्थ्य समस्याएं दोबारा उभर सकती हैं। आयुर्वेदिक इलाज करना उचित रहेगा। भाग्यशाली रंग- नारंगी

धनु राशि- सभी कार्य समय पर पूरे होने और सफलता मिलने से थकान नहीं होगी। मौजूदा परिस्थितियों में संतोष रखें। बच्चों की पढ़ाई या करियर को लेकर चिंता रहेगी। घर में तनाव रहेगा। प्रेम का इजहार करने के लिए समय अनुकूल है। नकारात्मक माहौल के बीच धैर्य और संयम रखें। आप अपनी कार्य क्षमता में कमी महसूस करेंगे। भाग्यशाली रंग- केसरिया

मकर राशि- धार्मिक और सामाजिक कामों में योगदान बनाए रखने से संपर्क बढ़ेगा। जल्दबाजी और भावुकता में कोई निर्णय न लें। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। हंसी खुशी समय बितेगा। अविवाहित लोगों को खुशखबरी मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में बदलाव करने के लिए समय ठीक नहीं है। ज्यादा तनाव लेने से मानसिक थकान हो सकती है। भाग्यशाली रंग- आसमानी

कुंभ राशि- किसी भी परिस्थिति में अपना स्वाभिमान और आत्म बल कमजोर नहीं पड़ने दें। किसी मामले को गुस्से में आकर न सुलझाएं। घरेलू मामलों में बिना सोचे-समझे भावनाओं में बहकर किया खर्चा आपका बजट बिगाड़ सकता है। वैवाहिक संबंध खुशनुमा रहेंगे। अपना इम्यून सिस्टम मजबूत रखने के लिए आयुर्वेदिक चीजों का सेवन करें। भाग्यशाली रंग- सफेद

मीन राशि- घर में नजदीकी रिश्तेदारों के आने से उत्सव का माहौल रहेगा। नजदीकी मित्रों और भाइयों के साथ संबंध मधुर रखें। फालतू कहीं आने-जाने से बचें। नौकरीपेशा लोगों को अपने काम में ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है। दांपत्य जीवन की गलतफहमियां आज समाप्त हो जाएंगी। तरल पदार्थों का अधिक से अधिक सेवन करें। भाग्यशाली रंग- आसमानी

कितना मुश्किल रहा छावा का लीड रोल निभाना: विक्की कौशल

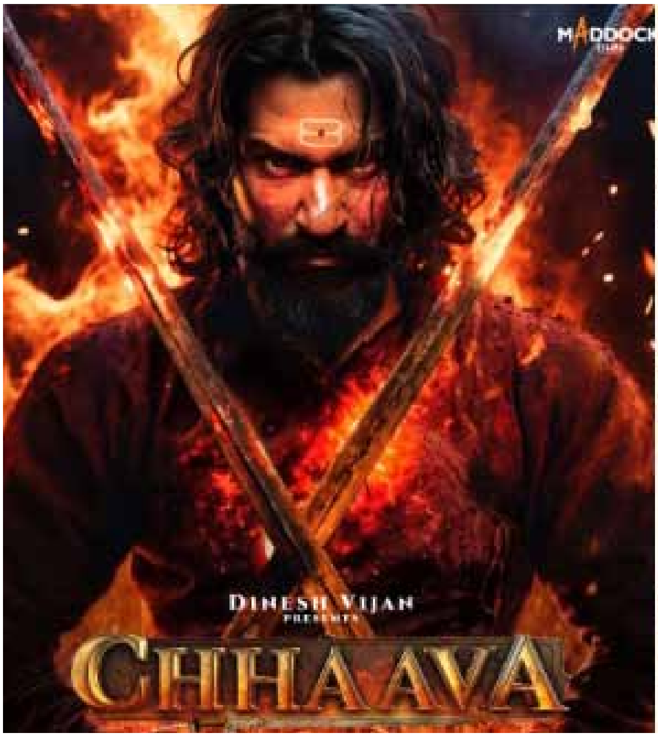

विक्की कौशल की ''छावा'' ने पहले ही दिन बनाए 6 बड़े रिकॉर्ड बॉक्स ऑफिस पर बंपर शुरुआतए ''छावा'' की बॉक्स ऑफिस पर बंपर शुरुआत बनाए 6 रिकॉर्ड साल 2025 की सबसे बड़ी ओपनिंग टिकटों की बिक्री में ही रिकॉर्ड विक्की कौशल के करियर की सबसे बड़ी ओपनगि फिल्म बनी ''छावा'' फिल्म ने 31.00 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है।

विक्की कौशल की ''छावा'' ने ओपनिंग डे पर धमाल मचा दिया है। यह पहली हिंदी ब्लॉकबस्टर बनने का भी मौका है, क्योंकि 28 मार्च को सलमान खान की ईद रिलीज ''सिकंदर'' से पहले इसके सामने कोई बड़ी फिल्म दावेदारी करने नहीं आ रही है। छत्रपति शविाजी महाराज के बेटे संभाजी महाराज के जीवन पर बनी ''छावा'' को महाराष्ट्र जैसे बड़े मास सर्किट में जबरदस्त रेस्पॉन्स मिला है। ''छावा'' की धमाकेदार ओपनिंग का जलवा सिर्फ कमाई तक नहीं है। इसने टिकटों की बिक्री में भी धूम मचाई है। टिकटगि 'बुक माय शो' के मुताबिक, विक्की कौशल की फिल्म ने 'एनिमल' और 'गदर 2' को छोड़कर बाकी हर हिंदी फिल्म की ओपनिंग डे टिकट बिक्री को पीछे छोड़ दिया है। ''छावा'' के लिए ठडै से कुल 14 लाख टिकटों की बिक्री पहले दिन के लिए हुई है। इसमें से करीब 5 लाख टिकट रिलीज के दिन बिके हैं। यह 2025 में अभी तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। विक्की कौशल की ''छावा'' ने ओपनिंग डे पर धमाल मचा दिया है। इस पीरियड ड्रामा-एक्शन ने पहले दिन ना सिर्फ उम्मीद से कहीं अधकि कमाई की है, बल्की 2025 में ओपनिंग डे पर सबसे अधकि बिजनस करने वाली हिंदी फिल्म भी बन गई है। छत्रपति शविाजी महाराज के बेटे संभाजी महाराज के जीवन पर बनी ''छावा'' को महाराष्ट्र जैसे बड़े मास सर्किट में जबरदस्त रेस्पॉन्स मिला है। शुक्रवार 14 फरवरी को ''छावा'' ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार 31.00 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया है। पहले दिन की कमाई के मामले में 2024 की चार बड़ी फिल्मों- स्त्री 2, भूल भुलैया 3, सिंघम अगेन और पुष्पा 2 को छोड़कर बाकी सभी को पीछे छोड़ दिया है। ''छावा'' ने विक्की कौशल को भी उनके करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग दी है। इससे पहले उनकी ब्लॉकबस्टर 'उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक' ने ओपनिंग डे पर सबसे अधकि 8.20 करोड़ रुपये कमाए थे। लेकिन लेकिन ''छावा'' ने इससे करीब 4 गुना अधिक बिजनस किया है। ''छावा'' पहले दिन 10 करोड़ से अधकि का बिजनस किया है।

R.N.I.: UTTHIN/2010/41629 | Postal Regd. UA/DO/DDN/01/2025-2027